

EliteProof

Proofing & Reviewing System

Proofing

The image shows a web browser window with the address bar containing `www.eliteproof.com/Account/Login?ReturnUrl=%2f`. The page features a blue header with a profile picture and a language dropdown set to "English". The main content area is a light blue box titled "Please Enter Your Information" containing an "Email" field, a "Password" field, a "Remember Me" checkbox, and a "Login" button. Below the form are links for "I forgot my password" and "I want to register". Two blue callout boxes provide instructions: one pointing to the address bar with the text "Enter the web address", and another pointing to the "Login" button with the text "Login to the website".

Enter the web address

Please Enter Your Information

Email

Password

Remember Me

Login

[I forgot my password](#) [I want to register](#)

© 2015 - Ankursoft Technologies Pvt. Ltd.

Login to the EliteProof web application

Dashboard

My Tasks (1) Shared Tasks (0)

Document

Document	Version	Project	References	Process	Assigned Date	Due Date	Status	Pages	Comments	Share
Kruti Dev 016 a75a286.docx	1	demo	0	Proofing	08/28/2015	08/31/2015	Assigned	12		

Proofing task has been assigned

© 2015 Ankursoft Technologies Pvt. Ltd. All Rights Reserved.

After successful login, User Dashboard displays all the assigned and shared tasks

To Share a Task

- Dashboard
- Projects
- Tasks
- Search
- Reports
- Management
- Logs
- Tools

My Tasks (1) | Shared Tasks (0)

Document Search

Document	Version	Project	References	Process	Assigned Date	Due Date	Status	Pages	Comments	Share
Kruti Dev 016 a75a286.docx	1	demo	0	Proofing	08/28/2015	08/31/2015	InProgress	12		1

Share Task :: Kruti Dev 016 a75a286.docx

Email	Modify Access	Action
vinod@ankursoft.com	<input checked="" type="checkbox"/> Yes	
<input type="text"/>	<input type="checkbox"/> No	

Step 2: Type users login id

Step 1: Click on Share icon

Step 3: Click on check icon

User can share his task with other users for viewing or editing.

Dashboard

My Tasks (1)

Shared Tasks (0)

Document

Search



Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

Document	Version	Project	References	Process	Assigned Date	Due Date	Status	Pages	Comments	Share
 Kruti Dev 016 a75a286.docx	1	demo	0 	Proofing	08/28/2015	08/31/2015	Assigned	12		

Launch Application

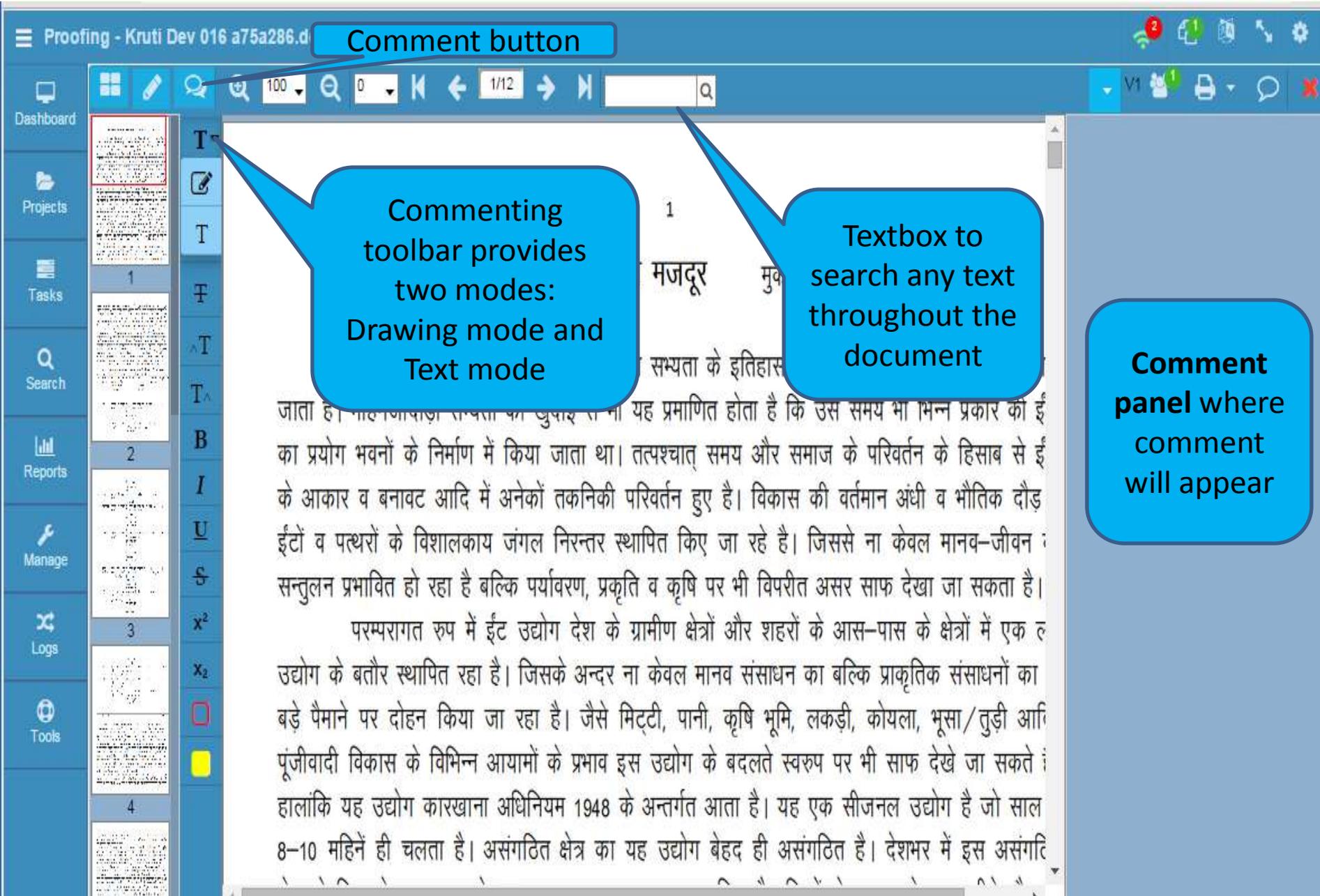
Click on the document to start the proofing process

The screenshot shows the interface of a proofing application. On the left is a sidebar with navigation options: Dashboard, Projects, Tasks, Search, Reports, Manage, Logs, and Tools. The main area displays a document page with text in Hindi. A top toolbar contains various icons, including a grid icon for thumbnail view, zoom controls, and page navigation buttons. Three callout boxes provide additional information:

- To toggle Thumbnail view:** Points to the grid icon in the top toolbar.
- Page navigation buttons:** Points to the page number '1/12' and navigation arrows in the top toolbar.
- Page thumbnail appears in this panel:** Points to the 'Thumbnail View' panel in the left sidebar.

The document text visible includes the title "ईट भट्ठा उद्योग" and the author "मुकेश कुमार एवं डा सुरेन्द्र". The main text discusses the history of brick kilns in India, mentioning the Mohenjodaro civilization and the impact of brick kilns on the environment and economy.

User has launched the Proofing Application by clicking on task.



Comment button

Commenting toolbar provides two modes: Drawing mode and Text mode

Textbox to search any text throughout the document

Comment panel where comment will appear

User has activated the Comment panel by clicking on the comment button.

To Search a word

Step 1: Type in the textbox to search the word

भारत

- 0. ट T
- 1. ठ Th
- 2. त् t
- 3. त ta
- 4. ता ta
- 5. ते te
- 6. तै tai
- 7. ति ti
- 8. ती ti
- 9. तो to

The list displays the phonetic typing help

भारत के सन्दर्भ में ईंटों का इतिहास माना जाता है। मोहनजोदड़ों सभ्यता की खुदाई से भी का प्रयोग भवनों के निर्माण में किया जाता था। के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी ईंटों व पत्थरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मा सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा ज परम्परागत रूप में ईंट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्र उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक स बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूस पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग 8-10 महिनें ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में

User can search a text in the document.

Step 2: Click on search button

ईट भट्टा उद्योग में पिसता मजदूर

The word has been found

भारत के सन्दर्भ में ईटों का इतिहास मानव सभ्यता के इतिहास व विकास की तरह बहु जाता है। मोहनोई से मा यह प्रमाणित होता है कि उस समय भी भिन्न का प्रयोग भवनों में होता था। तत्पश्चात् समय और समाज के परिवर्तन के के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी परिवर्तन हुए हैं। विकास की वर्तमान अंधी व ईटों व पत्थरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मा सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा जा परम्परागत रूप में ईट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्रों में उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक स बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूस पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग 8-10 महिने ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में

To mark in document

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

जोट होती है। तात्पर्य है कि पूरा परिवार उस एक काम को अंजाम देता है । इस उद्योग में काम

हिस्सा पीस रेट पर होता है जैसे ईंट बनाने वाली पथर को एक हजार कच्ची ईंटों पर तयशुदा दर

है। अब ये एक हजार कच्ची ईंट कितने समय में, कितने लोग मिलकर बनाते है इस

मा मा नहीं उसे तो बस निर्धारित दर से है अधिकांश

मा को ना तो जानता है और ना ही पह

नह कुल कितने श्रमिक कार्यरत है और इ

एक ईंट भट्ठा उद्योग पर 10 अलग-अलग तरह का काम पाल श्रामिक होते है जो फि

तरह के कार्यों मे संलग्न रहते है जिसको नीचे एक सारणी के माध्यम से दर्शाया गया है :-

क	श्रमिकों की	श्रमिकों की भर्ती	काम का प्रकृति	वेतन	या	ओसतन जोट य
स.	काटगरा	प्रक्रिया सीधे/		मजदूरी समय	अकेला आदमी	
		जमादार/ठेकदार		के आधार पर		
		आदि के माध्यम से		या पीस रेट पर		
1	प	माध्यम	जो श्रमिक	पीस रेट पर		जोट-40
		से भर्ती	कच्ची ईंटें बनाते	(1000 ईंटों		

Step 2: Click on Highlight Text

Step 1: Select the text

Also, shortcut menu appears once u select any text

User can highlight the selected text by clicking on the highlight button

जोट होती है। तात्पर्य है कि पूरा परिवार उस एक काम को अंजाम देता है हिस्सा पीस रेट पर होता है जैसे ईंट बनाने वाली पथर को एक हजार कच्ची किया जाता है। अब ये एक हजार कच्ची ईंट कितने समय में, कितने लोग मालिक को कोई स बस निर्धारित दर से पैसा ही देना हाता हा आघकाश जगहो पर मालिक अपनी पूरी है और ना ही पहचानता है। इनको तो असल में यह तक मालूम नही कि उसके भट्ठे

एक ईंट भट्ठा पर 10 अ तरह के कार्यों मे संलग्न है जिसको

क्र. स.	श्रमिकों की कटेगरी	श्रमिकों की प्रक्रिया सीधे जमादार/ठेकदार आदि के माध्यम से	या पीस रेट
1	पथर	जमादार के माध्यम से भर्ती	जो श्रमिक कच्ची ईंटें बनाते (1000 ईंटों

Page 2 Highlig

English है ?

Change the sequence

Save Cancel

मिन्न-मिन्न

Reports are reflected in comment section

The text has been highlighted

Step 3: To add comments, Click on selected text and type in text section

Step 4: Click on Save

Add Comment to the highlighted text by double clicking on it.

36.docx- 1

Page 2 Highlight

Me : Change the sequence
4:01 PM Today

The comments associated with the marked text is reflected in to comment section

The comment can be edited, replied again or discussed by another user as well as a file can be attached to it.

ती है। तात्पर्य है कि पूरा परिवार उस एक काम को अंजाम देना है। इसका बड़ा
 पीस रेट पर होता है जैसे ईंट बनाने वाली पथर को एक हजार कच्ची ईंटों का बड़ा
 जाता है। अब ये एक हजार कच्ची ईंट कितने समय में, कितने पैसे का बड़ा
 को कोई सरोकार नहीं उसे तो बस निर्धारित दर से पैसा देना है। इसका बड़ा
 अपनी पूरी लेबर को ना तो जानता है और ना ही पहचानता है। इसका बड़ा
 उसके भट्ठों पर कुल कितने श्रमिक कार्यरत है और इन्में कितने श्रमिक कार्यरत है।

एक ईंट भट्ठा उद्योग पर 10 अलग-अलग तरह का काम करने वाले श्रमिक हात ह जा भिन्न-भिन्न
 कार्यों में संलग्न रहते हैं जिसको नीचे एक सारणी के माध्यम से दर्शाया गया है :-

श्रमिकों की कटेगरी	श्रमिकों की भर्ती प्रक्रिया सीधे/ जमादार/ ठेकदार आदि के माध्यम से	काम की प्रकृति	वेतन या मजदूरी समय के आधार पर या पीस रेट पर	ओसतन जोट या अकेला आदमी	कुल
पथर	जमादार के माध्यम से भर्ती	जो श्रमिक कच्ची ईंटें बनाते	पीस रेट पर (1000 ईंटों	जोट-40	80

Comment appears in the comment panel for the highlighted text.

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

100 0 4/12

V1

T

T

I

Replace Text

T

T

B

I

U

S

x²

x₂

□

■

सामान्यतः हर भट्टों पर 80-90 परिवार रहते हैं जो साल में 9 माह यहीं अपना जीवन-बसर करते हैं। अ
 एक भट्टों पूरा समय काम करने वाले होते हैं। जबकि व्यवहार में मालि
 के पास उ 5-50 ऐसे श्रमिकों के नाम एक कच्ची सी कॉपी में लिखे होते
 जिनका पहले ही पैसा दिया होता है। इनमें भी सिर्फ पुरुषों के ही न
 लिखे होते हैं। राज्य के किसी भी जिले में किसी भी भट्टा मालिक के पास उसके उद्योग में कार्यरत कृ
 श्रम शक्ति का कोई भी औपचारिक लिखित रिकार्ड उपलब्ध नहीं पाया गया। सर्वेक्षण के दौरान एक भी ऐ
 भट्टा नहीं पाया गया, जहां किसी महिला का नाम एक श्रमिक के तौर पर मालिक द्वारा तैयार रिकार्ड में द
 हो अर्थात् एक श्रमिक के तौर पर इस उद्योग में महिलाओं को तो श्रमिक माना ही नहीं गया है जिसमें सामं
 व पितृसत्तात्मक सोच की बू व्यवहार में साफ देखी जा सकती है।

Step 2: Click on Replace Text

हरियाणा सरकार के आकड़ों के अ
 श्रमिक प्राप्त नए आसत संख्या न
 महिलाओं की संख्या देखे तो 2,12,520 बन
 इकाइयां हैं जिन पर यदि 1
 मिक बनते हैं और यदि इस
 न कुल जनसंख्या का आंकड़

Step 1: Select the text

Page 2 Highlight

Me : Change the sequence

4:01 PM Today

Replacing the text with new text

The comment box appears with the text which is to be replaced, type the new text.

Add Comment English

हरियाणा सरकार

Save Cancel

Step 3: To type in Hindi font, Click on 'Manage Input Language'

Type the new text in the comment box.

T
T
I
F
T
T
B
I
S
x²
x₂
□
■

Step 4:
Select the
language

Input Language Setting

Use Input Manager (Ctrl + L)

Keyboard Type :

Phonetic

Virtual Keyboard

English

EN

English

IN

हिंदी

ગુજરાતી

Hindi

বাংলা

Close

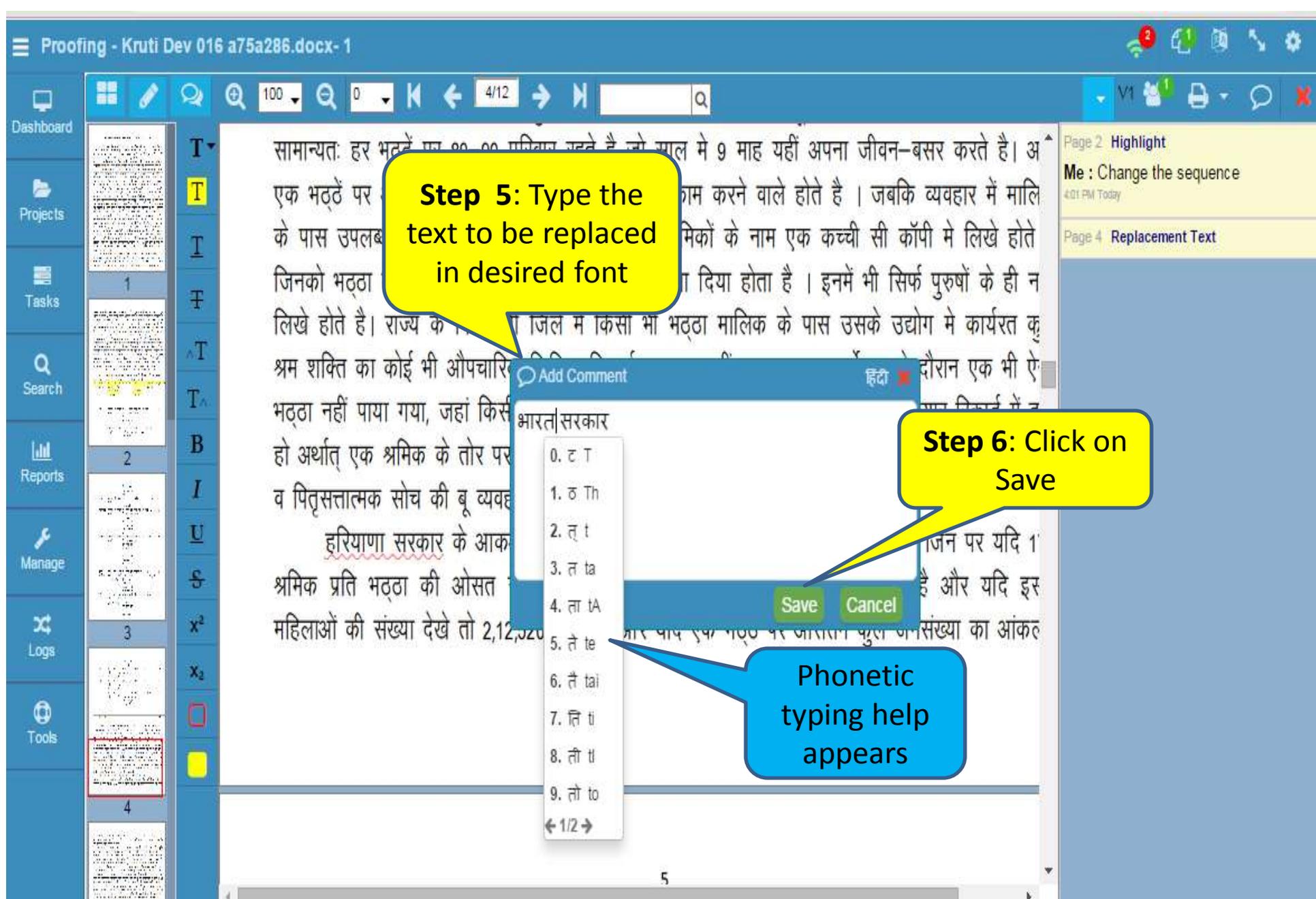
Save

Cancel

Also,
Virtual
keyboard is
available

सामान्यतः हर भट्टे पर 80-90 परिवार
 एक भट्टे पर औसतन लगभग 175 श्रमिकों
 के पास उपलब्ध लिखित रिकार्ड में मात्र
 ने पेशगी के रूप में किसी भी जिले
 जहाँ किसी भी जिले में
 हो अर्थात् एक श्रमिक के तोर पर
 व पितृसत्तात्मक सोच की बू व्यवहार
 हरियाणा सरकार के आंकड़ों के अनुसार
 श्रमिक प्रति भट्टा की औसत संख्या
 महिलाओं की संख्या देखे तो 2,12,320 बताता है जोर पाए एक भट्टे पर औसतन कुल जनसंख्या का आंकड़

Changing the Input language to hindi



Step 5: Type the text to be replaced in desired font

Step 6: Click on Save

Phonetic typing help appears

User is typing the new text using phonetic input method

To Delete the text

Step 1: Select the text

Step 2: Click on delete text

One can add comment as well

7

विपरित है मेहनत का है कि बीमारियां हर रोज घरे रखती है । य
 अधिकतर पेट दर्द, मास-पेशियों व नसों में दर्द व खिचांव, कमर व
 आदि बिम । ये बिमारिया कार्य स्थल पर कार्य करने के कारण ही हो
 है । भठठें पर एक परिवार का कम से कम 500 से 800 रुपए प्रतिमाह खर्च सिर्फ दवाइयों पर
 होता है । एक भठठें पर 80-90 परिवार है तो उनका एक सीजन का सामान्य खर्च लगभग 3,60,0
 रुपए बनता है जो कानूनी तौर पर

~~Industrial Employment~~

के जाँब कार्ड बनने चाहिए, हर भठठें
 छुट्टियों की सूचना, हाजिरी, श्रमि
 में ऐसा एक भी भठठें पर नहीं प
 पता कि उ

औपचारिक यहाँ तो मुंशीयों के पास ही एक-एक कच्ची कॉपी होती है जिसमें
 केवल ईंटों पर श्रमिकों को दिए जाने वाले खर्च को ही लिखते है। एक-ए
 कॉपी श्रमिकों के पास मा हाता है जिसमें मुन्शी ही उनकी ईंटों का हिसाब-किताब चढाता है क्योंकि लगभ
 95 फीसदी श्रमिक अशिक्षित होते है। हालांकि कुछ श्रमिकों ने हिसाब-किताब में गड़बड़ियां होने की बातें क

Page 2 Highlight
 Me : Change the sequence
 4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text
 Me : भारत सरकार
 4:07 PM Today

Page 7 Delete Text

Comment English

looks improper

Save Cancel

Mark the text to be deleted. We can also add reason for deletion.

To make text bold

लगा सकते हैं कि उन पर क्या बीतती होगी ?

एक भट्टे पर बाल श्रमिकों के अतिरिक्त औसतन 175 श्रमिक काम करने वाले होते हैं इनके लिए सुरक्षा के व धूल-धुंआ से बचाव के उपकरण के लिए प्रति श्रमिक यदि पूरे सीजन का 2000 रुपए मासिक खर्च प्रति श्रमिक माने तो 10 महिने का कुल खर्च 350000 रुपए बनता है। **श्रमिक चिकित्सा पर यदि 2000 रुपए प्रति महिना खर्चा माने तो एक सीजन का कुल खर्च 20000 रुपए बनता है।** कानून के प्रावधानों के अनुसार हिसाब से एक श्रमिक से एक दिन में 9 घण्टे से ज्यादा काम नहीं लिया जाएगा, अधिक समय काम करने पर उसको दोगुनी दर से मजदूरी मिलनी चाहिए। मजदूरी भुगतान में बड़े स्तर पर गड़-बड़ झाला है। एक दिन में एक जोट काम करने वाले श्रमिक 16-18 घण्टे काम करते हैं और औसतन 100-1500 कच्ची ईंटें प्रति जोट बनाते हैं। कच्ची ईंटों के हिसाब से यदि 500 रुपए प्रति हजार कच्ची ईंटों के बरेट माने तो पथेर का मजदूरी दर 32-36 घण्टे की मजूरी है। यदि सरकार की न्यूनतम मजदूरी दर जो कि वर्तमान में सरकार (2014) ने 310 रुपए घोषित की है, के आधार पर इस अधि मजदूरी यह राशि 1860 रुपए बनती है और यदि पथेर की वर्तमान मजदूरी के साथ यह राशि 3000 रुपए बनती है। जबकि मालिक के हिसाब से गणना करे तो 40 जोट पर 44400 रुपए वह हर रोज बचा रहा है। यदि पूरे सीजन का भट्टा में एक करोड़ ईंटें बनती है तो यह पैसा कुल 2.25 करोड़ रुपए बनता है जो सीधा मालिक की जेब में जाता है। पर असल में यह श्रमिकों की मेहनत की कमाई है ? जो उनको मिलनी चाहिए।

Step 1: Select the text

Step 2: Click on Bold

Command is reflected in comment panel

- Page 2 Highlight
Me : Change the sequence
4:01 PM Today
- Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today
- Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today
- Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today
- Page 8 Bold

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Logs

Tools

है और यात्रा भत्ता यदि प्रति श्रमिक 600 रुपए औसत मान लिया जाए तो $175 \times 600 = 105000$ रुपए बनता है । अर्थात् लगभग 8 लाख रुपए । दोनों मदों के अनुसार यह पैसा सीधा मालिक की जेब में जाता है ।

—राज्य सरकार ने प्रावधान किया हुआ है कि भट्टों पर कार्यरत सभी श्रमिकों के अस्थायी राशन कार्ड बनेंगे । जिन-जिन जिलों पर ल... नियन सक्रिय है जैसे हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक आदि में कुछ... न के प्रभाव से पहले राशन कार्ड बने थे लेकिन वास्तव में श्रमिकों को कहीं भी... । श्रमिकों ने बताया कि पिछले सीजन में भी श्रमिकों के कार्ड बने थे परन्तु... पाया था और वो भी पास के गांव के डिपो से लाना पड़ा था । इस... साथ मिलकर सामान की खुब कालाबाजारी करते है ।

भट्टों पर 'जमादार' एक ऐसी महत्वपूर्ण कड़ी है जिसके बिना श्रमिकों का भट्टों पर पहुंचना... जाता है । 'जमादार, मालिक व श्रमिकों के बीच मध्यस्थता करता है । एक भट्टों पर चार... तरह के श्रमिकों के जमादार होते है जैसे पथर का जमादार का, जलाई वाले का, निकासी तथा

To change the highlight color

Similarly, stroke color can be chosen

Click on Background color and choose any color



Page 2 Highlight
Me : Change the sequence
4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today

Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today

Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 10 Highlight

Page 10 Highlight

Changing the text highlighting color.

The screenshot shows a software interface with a top toolbar containing icons for window management, editing, and navigation. A central text editor displays text in Hindi. A blue callout box with a pointer to the 'Drawing Mode' button contains the text: "To select drawing mode, click on text mode and select drawing mode". The right-hand sidebar shows a list of actions such as 'Page 2 Highlight', 'Page 4 Replacement Text', and 'Page 7 Delete Text', each with a brief description and a timestamp.

To select drawing mode, click on text mode and select drawing mode

मालिकों की साठ-गां... या फिर भट्टों पर ही ठेके खुले हुए है या भट

Drawing Mode

पर परचून की दुकान वाला दूसरे सामान की बजाय दारू ज्यादा बेच रहा होता है । जहां श्रमिकों को उधा की भी पूरी सुविधा मिली होती है । हर पन्द्रही पर जब श्रमिकों को खर्चा मिलता है तो श्रमिक सबसे पह दारू वाले का हिसाब करते है फिर शहर से राशन खरीद कर लाते है । खर्चा मिलने पर श्रमिक 2-3 ति आराम करते है और दो दिन तक घर में स्पेशल भोजन बनता है यानि चिकन, मच्छी आदि। 80-90 फीस पुरुष दो दिन तक दारू में टल्ली रहते है । इनके लिए पन्द्रही एक त्योहार से कम नहीं है ।

श्रमिकों जब यह पुछा गया कि आप इतने बच्चें क्यों पैदा करते हो, इस पर श्रमिकों का जवाब था । ये तो भगवान की देन है जब वा भेज रहा है तो रोटी भी वही देगा ? श्रमिकों मे एक पक्की धारणा यह भी कि घर में ज्यादा आदमी होंगे तो ज्यादा कमाएंगें । पुरुष श्रमिकों का कहना था कि भट्टों पर हम जैसे गर् लोगों के लिए दारू पीकर या बिना पिए ही घरवाली से सैक्स करना ही सबसे बड़ा मनोरंजन है । पता चा कि निकासी की लेबर में महिलाएं व युवा लड़कियां बहुत मेहनत करती है और पति दारू के आदि होते है लड़कियां कमा रही है कमाई के लालच से उनकी शादियां देरी से की जाती है और फिर बड़े स्तर पर इ

Changing the mode from text to graphics.

To mark the text

Step 1: Click on Freehand to mark the text

पर परचून की दु... दारु ज्यादा बेच रहा होता है । जहां श्रमिकों को उधा
की भी पूरी सुविधा... र जब श्रमिकों को खर्चा मिलता है तो श्रमिक सबसे पह
दारु वाले का हिसाब करते हैं फिर शहर से राशन खरीद कर लाते हैं । खर्चा मिलने पर श्रमिक 2-3 दि
आराम करते हैं और दो दिन तक घर में स्पेशल भोजन बनता है यानि चिकन, मछी आदि। 80-90 फीस
पुरुष दो दिन तक दारु में टल्ली रहते हैं । इनके लिए पन्द्रही एक त्योहार से कम नहीं है ।

श्रमिकों जब यह पुछा कि आप इतने बच्चे क्यों पैदा करते हो, इस पर श्रमिकों का जवाब था ।
ये तो भगवान की देन है जो वा भेज रहा है तो रोटी भी वही देगा ? श्रमिकों मे एक पक्की धारणा यह भी
कि घर में ज्यादा आदमी होंगे तो पैसा कमाएंगे । पुरुष श्रमिकों का कहना था कि भट्टों पर हम जैसे गर्
लोगों के लिए दारु पीकर य... करना ही सबसे बड़ा मनोरंजन है । पता च
कि निकासी की लेबर में महिलाएं काम करती है और पति दारु के आदि होते हैं
लड़कियां कमा रही है कमाई... से की जाती है और फिर बड़े स्तर पर इ
बेमेल विवाह होते हैं । एक... कि निकासी की महिलाएं अपने पति को दा
पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारिरिक जरूरते पू
कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

Step 2: Mark the text in any style

Page 2 Highlight

Me : Change the sequence

4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text

Me : भारत सरकार

4:07 PM Today

Page 7 Delete Text

Me : looks improper

4:17 PM Today

Page 7 Insert After

Me : सन

4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 10 Highlight

Page 10 Highlight

Page 11 Pencil

In graphics mode user selected the pencil tool to draw irregular line.

Step 3: Double click on text to add comment

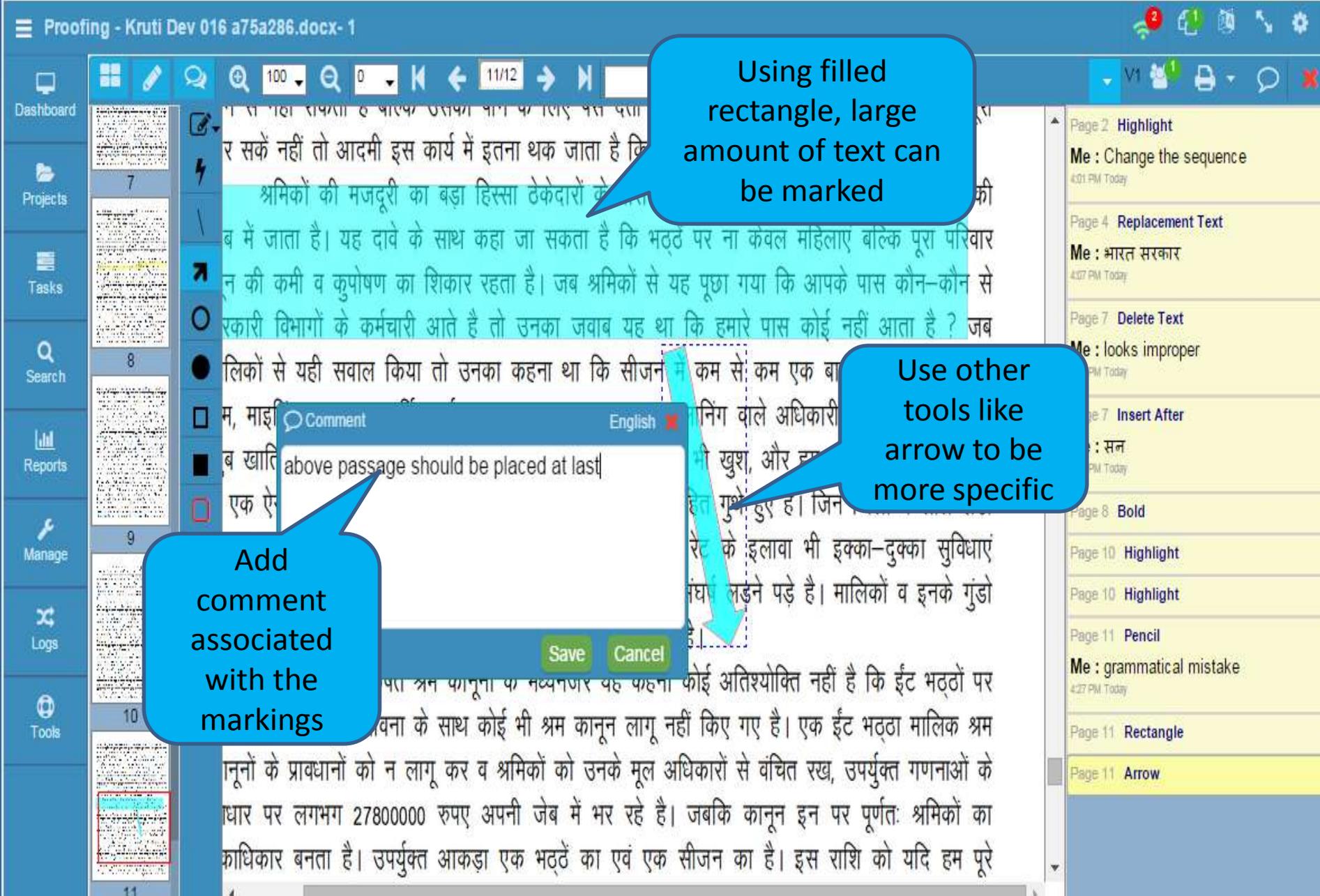
पर बजाय दारू ज्यादा बेच रहा होता है । जहां श्रमिकों को उधा
की ही पर जब श्रमिकों को खर्चा मिलता है तो श्रमिक सबसे पह
दारू वाले साब करते हैं पि
आराम व ह और दो दिन तव
पुरुष दो दिन तक दारू में टल्ली
श्रमिकों जब यह पुछा गया
ये तो भगवान की देन है जब वा
कि घर में ज्यादा आदमी होंगे तो
लोगों के लिए दारू पीकर या बिना पीए
कि निकासी की लेबर में महिलाएं व युवा लड़कियां बहुत मेहनत क है और पति दारू के आदि होते है
लड़कियां कमा रही है कमाई के लालच से उनकी शादियां देरी जाती है और फिर बड़े स्तर पर इ
बेमेल विवाह होते है । एक मामला यह भ की महिलाएं अपने पति को दा
पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने से वो अपनी शारिरिक जरूरते पू
कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना चक जाता है कि पा पड़ता ही सो जाता है ।

Step 4: Click on save

Comment English
grammatical mistake|
Save Cancel

Page 2 Highlight
Me : Change the sequence
4:01 PM Today
Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today
Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today
Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today
Page 8 Bold
Page 10 Highlight
Page 10 Highlight
Page 11 Pencil

Adding comment to the freehand drawing.



Using filled rectangle, large amount of text can be marked

Use other tools like arrow to be more specific

Add comment associated with the markings

Adding various graphical annotations Arrow, Filled Rectangle etc.

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

क जीवन का दखत हर आज य नहायत जरुरा हा जाता ह।क इस उद्योग क लिए भा ना कवल एक अरु
 कानून बनाया जाए
 विभाग व अधिकारी
 हो ताकि
 समतामूलक, मानवतावादी, समाज की स्थापना कर पाएंगे।

सन्दर्भ:-
 -फैक्ट्री अधिनियम 1948,
 -औधोगिक विवाद अधिनियम 1947
 -मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936
 -न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948
 -ठेका श्रमिक अधिनियम 1970,
 -मातृत्व लाभ अधिनियम 1961,
 -प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979

-[WWW./unorganised sector.co/article /-\(info Social security\)](#)
 - Directorate of Food and Supplies, Gov on 01-10-2012
 -मुकेश कुमार Asst. Prof. PGDAV College, University of Delhi.
 Add.- RZF-1/224 (गगत सिंह अपार्टमेंट) गली न०. 2 महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली -45 फोन- 09911886215
 Dr. Surinder Singh Kundu Associate Prof. CDLU Sirsa

Also, use circle to mark the text



Comment English

Arrange in different sequence

Save Cancel

Add comment associated with the markings

Page 2 Highlight
 Me : Change the sequence
 4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text
 Me : भारत सरकार
 4:07 PM Today

Page 7 Delete Text
 Me : looks improper
 4:17 PM Today

Page 7 Insert After
 Me : सन
 4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 10 Highlight

Page 10 Highlight

Page 11 Pencil
 Me : grammatical mistake
 4:27 PM Today

Page 11 Rectangle

Page 11 Arrow
 Me : above passage should be placed at last
 4:30 PM Today

Page 12 Oval

Adding graphical annotation circle and comment on it.

क जावन का देखत हुए आज य नहायत जरुरा हा जाता ह कि इस उद्योग क लिए भा ना कवल एक अत्
 कानून बनाया जाए बल्कि उसको सही मायने में उसकी मूल भावना के साथ वास्मव में लागू किया जाए।
 विभाग व अधिकारी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से नहीं निभाते उनके लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावध
 हो ताकि अनवरत हो रहे श्रमिकों के शोषण को रोका जा सकें। तभी हम असल मायने में लोकतान्त्रि
 समतामूलक, मानवतावादी, समाज की स्थापना कर पाएंगें।

सन्दर्भ:-

- फैक्ट्री अधिनियम 1948,
- औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947,
- मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936,
- न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948,
- ढका श्रमिक अधिनियम 1970,
- मातृत्व लाभ अधिनियम 1961,
- प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979

-[WWW./unorganised sector.co/article /-\(informal Sector in India](http://WWW./unorganised sector.co/article /-(informal Sector in India),

- Directorate of Food and Supplies, Govt. of Haryana, Chandigarh, as on 01-10-2012

-मुकेश कुमार Asst. Prof. PGDAV College, University of Delhi.

Add.- RZF-1/224 (भगत सिंह अपार्टमेंट) गली न०. 2 महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली -45 फोन- 09911886215

Dr. Surender Singh Kundra Associate Prof. CDLU Sirsa

Comment Panel:

- Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today
- Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today
- Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today
- Page 8 Bold
- Page 10 Highlight
- Page 10 Highlight
- Page 11 Pencil
Me : grammatical mistake
Today
- Page 11 Arrange
Me : above passage should be placed at last
4:30 PM Today
- Page 12 Oval
Me : Arrange in different sequence
4:33 PM Today

Callout Bubble: To delete the markings and associated comments, Click on delete

Delete the comment by clicking on the delete icon which appears in the comment panel.

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

क जावन का देखत हुए आज य नहायत जरुरा हा जाता ह कि इस उद्योग क लिए भा ना कवल एक अट
 कानून बनाया जाए बल्कि उसको सही मायने में उसकी मूल भावना के साथ वास्मव में लागू किया जाए।
 विभाग व अधिकारी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से नहीं निभाते उनके लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावध
 हो ताकि अनवरत हो रहे श्रमिकों के शोषण को रोकने के लिए असल मायने में लोकतान्त्रि
 समतामूलक, मानवतावादी, समाज की स्थापना व

सन्दर्भ:-

- फैक्ट्री अधिनियम 1948,
- ओद्योगिक विवाद अधिनियम 1947
- मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936,
- न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948,
- ढेका श्रमिक अधिनियम 1970,
- मातृत्व लाभ अधिनियम 1961,
- प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979
- [WWW./unorganised sector,co/article /-\(informal Sector in India, Approach for Social security\)](http://WWW./unorganised sector,co/article /-(informal Sector in India, Approach for Social security))
- Directorate of Food and Supplies, Govt. of Haryana, Chandigarh, as on 01-10-2012
- मुकेश कुमार Asst. Prof. PGDAV College, University of Delhi.

Add.- RZF-1/224 (भगत सिंह अपार्टमेंट) गली न०. 2 महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली -45 फोन- 09911886215

Dr. Surinder Singh Kundra Associate Prof. CDLU Sirsa

The marking
as well as
comment
gets deleted

Page No : 12

Page 2 Highlight
 Me : Change the sequence
 4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text
 Me : भारत सरकार
 4:07 PM Today

Page 7 Delete Text
 Me : looks improper
 4:17 PM Today

Page 7 Insert After
 Me : सन
 4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 10 Highlight

Page 10 Highlight

Page 11 Pencil
 Me : grammatical mistake
 4:27 PM Today

Page 11 Rectangle

Page 11 Arrow
 Me : above passage should be placed
 at last
 4:30 PM Today

After completion of the assigned task, change the status of the task

ईट भट्टा उद्योग में पिसता मजदूर मुकेश कुमार एवं डा सुरेन्द्र सिंह कुंडु

भारत के सन्दर्भ में ईटों का इतिहास मानव सभ्यता के इतिहास जाता है। मोहनजोदाड़ों सभ्यता की खुदाई से भी यह प्रमाणित होता है का प्रयोग भवनों के निर्माण में किया जाता था। तत्पश्चात् समय और के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी परिवर्तन हुए हैं। विकास की वर्तमान अंधी व भौतिक दौड़ में ईटों व पत्थरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मानव-जीवन का सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा जा सकता है।

परम्परागत रूप में ईट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्रों में एक लघु उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूसा/तुड़ी आदि। पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे जा सकते हैं। हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग है जो साल में 8-10 महिनें ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में इस असंगठित क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार ने 44 श्रम कानून बनाए व लागू किए हैं। जिन्हें से इस उद्योग पर सीधे तौर पर

Step 1: Click on Complete

To finish the proofing task just click on the completed menu.

